हाथों से नहीं बना एक साम्राज्य

Randolph Dunn

Kingdom

हाथों से नहीं बना एक साम्राज्य

परिचय

मनुष्य को परमेश्वर के स्वरूप में एक शाश्वत धर्मी प्राणी बनाया गया था, न कि उसकी सटीक समानता। “उसने, परमेश्वर ने भी मनुष्यों के मनों में अनन्त काल की स्थापना की है; तौभी वे यह नहीं समझ सकते कि परमेश्वर ने आरम्भ से अन्त तक क्या किया है।” (सभो 3:13) परमेश्वर ने उनके लिए एक स्वर्ग तैयार किया और उन्हें अदन को बनाए रखने, फलने-फूलने और अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के फल न खाने का निर्देश दिया, क्योंकि ऐसा करने से वे मर जाएंगे। यह अज्ञात है कि वे वहां कितने समय तक रहे, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पेड़ के फल खा लिए, फलस्वरूप भगवान ने उन्हें ईडन से हटा दिया। ऐसा माना जाता है कि यह वह समय था जब आदम और हव्वा जीवन के वृक्ष का फल नहीं खा सकते थे और हमेशा के लिए जीवित रह सकते थे।

कई वर्षों बाद परमेश्वर ने धर्मी इब्राहीम को उस स्थान पर जाने का निर्देश दिया जिसे उसने अपने और अपने वंशजों के लिए तैयार किया था, जिनमें से एक संसार को आशीष देगा। इब्राहीम के वंशज, इस्राएली, इब्राहीम से वादा किए गए देश में आने से पहले 400 साल से अधिक समय हो चुका था। वहाँ वे एक ऐसे मुक्तिदाता की तलाश में थे जो पापों को क्षमा कर सके। अगर उन्होंने उसकी बात मानी।

पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा परमेश्वर पृथ्वी पर एक मनुष्य के रूप में रहने के लिए एकमात्र पापबलि बनने के लिए आया और "आपके लिए जगह तैयार करने के लिए? और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिथे स्थान तैयार करूं, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो।” (यूहन्ना 14:3)

सूली पर चढ़ाए जाने और उसके पुनरुत्थान के द्वारा यीशु की मृत्यु के बाद, वह स्वर्ग में लौट आया और पिन्तेकुस्त के दिन "मेरी आत्मा सब लोगों पर उँडेलो ...) सिर्फ यहूदी नहीं। मसीह के प्रेरितों ने खुशखबरी की घोषणा की - पाप की क्षमा और मुक्ति अब सभी मानव जाति के लिए उपलब्ध है जो पाप के लिए मरकर और उसके खून में दफन होकर, पानी में डूबे हुए - बपतिस्मा के द्वारा मसीह में अपना भरोसा और आज्ञाकारिता रखते हैं। परमेश्वर फिर इन आज्ञाकारी क्षमा किए गए लोगों को उनके दफनाने से उठाकर एक ऐसे राज्य में डाल देता है जो हाथों से नहीं बना है। आपको अपने उद्धार के लिए परमेश्वर के वचन का अध्ययन करना चाहिए, न कि दूसरों की व्याख्याओं पर "भरोसा" करना चाहिए; उदाहरण के लिए, बाइबिलवे प्रकाशन, कमेंट्री, पुजारी, पादरी या प्रचारक। (फिल 2:13)

"जब मनुष्य का पुत्र आएगा... वह भेड़ों को अपनी दहिनी ओर और बकरियों को अपनी बाईं ओर रखेगा। तब राजा अपक्की दहिनी ओर वालों से कहेगा, हे मेरे पिता के धन्य लोगो, आओ; अपना वर्सा ले लो, जो राज्य जगत की उत्पत्ति के समय से तुम्हारे लिये तैयार किया गया है।” (मैट 25:31-34)

भगवान का वादा

आदम और हव्वा को उनके प्रेमी पिता और सृष्टिकर्ता से अलग कर दिया गया था, लेकिन परमेश्वर के पास मनुष्य को उस सिद्ध संबंध में वापस लाने की योजना थी। उसने सर्प से कहा, धोखा देनेवाला और झूठ का पिता, और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच, और तेरे वंश और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा; वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी पर वार करेगा। (उत्पत्ति 3:15)

टिप्पणी"अपना सिर कुचलो" मसीह के प्रायश्चित बलिदान और पुनरुत्थान ने क्षमा प्रदान करने के द्वारा अनन्त मृत्यु का अंत कर दिया। पाप और मृत्यु पर विजय, मनुष्य पर शैतान की पकड़, उन सभी के लिए जो विश्वास, विश्वास और बपतिस्मा के माध्यम से मसीह को मृत्यु में बुलाते हैं। "उसकी एड़ी पर प्रहार करो (स्त्री की संतान की)" सूली पर चढ़ाकर यीशु के जीवन को लेने का प्रयास है।

बाद में कैन की अस्वीकार्य भेंट के बाद, परमेश्वर ने मनुष्य के विद्रोही कार्यों के परिणामों के बारे में फिर से चेतावनी दी, "यदि तुम वही करते हो जो सही है, तो क्या तुम्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा? लेकिन यदि तुम वह नहीं करते जो सही है, तो पाप तुम्हारे द्वार पर है; यह चाहता है तुम्हें पाने के लिए, लेकिन तुम्हें इसमें महारत हासिल करनी होगी।" (उत्पत्ति 4:7)

टिप्पणी: कैन ने परमेश्वर की चेतावनी को नहीं सुना। उसने अपने भाई हाबिल को मारकर और भी अधिक पाप किया। उसके कार्यों के परिणामों के परिणामस्वरूप वह एक पथिक या भगोड़ा बन गया।

नूह के दिनों में, हम पढ़ते हैं, "यहोवा ने देखा, कि मनुष्य की दुष्टता पृथ्वी पर हो गई है, और उसके मन के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है, वह हर समय केवल बुरा ही होता है।" (उत्पत्ति 6:5)

टिप्पणी: परमेश्वर ने धर्मी नूह और उसके परिवार को छोड़, पृथ्वी पर रहने वाले सब लोगों को जल से नाश करके उसके साम्हने सब बुराई को दूर किया।

परमेश्वर ने इब्राहीम को सदोम और अमोरा के बारे में अपने विचार प्रकट किए। "और यहोवा ने कहा, सदोम और अमोरा के विरुद्ध बड़ी चिल्लाहट, और उनका पाप बहुत बड़ा है, इसलिये मैं अब नीचे जाकर देखूंगा, कि जो चिल्लाहट मेरे पास आई है उसके अनुसार उन्होंने ठीक वैसा ही किया है या नहीं; और नहीं तो मुझे पता चल जाएगा।' ... तब यहोवा ने सदोम और अमोरा पर यहोवा की ओर से आकाश पर से गन्धक और आग बरसाई, तब उस ने उन नगरोंको, अर्थात् तराई में, और सब नगरोंके रहनेवालोंको, और जो कुछ भूमि पर उपजा है, उलट दिया। (उत्पत्ति 18:20-21 और 19:24-25)

टिप्पणी: परमेश्वर ने उनकी चिल्लाहट को सुना यह दर्शाता है कि परमेश्वर पृथ्वी के लोगों के बीच जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में जानता है। इस मामले में उसने सदोम और अमोरा को उनके सभी दुष्ट लोगों के साथ नष्ट कर दिया। इन घटनाओं से पता चलता है कि परमेश्वर दुष्टता, अवज्ञा या पाप को बर्दाश्त नहीं करता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, लेकिन हमेशा तुरंत नहीं।

आदम और हव्वा से लेकर यहूदा तक, यीशु के विश्वासघाती, पाप प्रबल हुआ जैसा कि आज है। पौलुस ने पवित्र आत्मा के द्वारा कहा, "सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं" ... "पाप की मजदूरी मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का उपहार हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।" (रोमियों 3: 23; 6:23)

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।"(जॉन 3:6)

"यहोवा अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने में धीमा नहीं है, जैसा कि कुछ लोग धीमेपन को समझते हैं। वह तुम्हारे साथ सब्र रखता है, और नहीं चाहता कि कोई नाश हो, परन्तु सब लोग मन फिराव के लिथे आए।"(2 पतरस 3:9)

प्रशन

1. शैतान स्त्री की सन्तान का जिक्र करते हुए उसका सिर कुचल देगा।
   सही गलत ___

2. यदि आप वह नहीं करते हैं जो सही है तो पाप मौजूद है।
   सही गलत ___

3. पाप मनुष्य के हृदय में उत्पन्न होता है।
   सही गलत ___

4. परमेश्वर बुराई के विरुद्ध मनुष्य की पुकार सुनता है।
   सही गलत ___

5. सभी लोग पाप करते हैं।
   सही गलत ___

अध्याय 2

भगवान का उपहार - यीशु, व्यक्ति

परमेश्वर के उपहार से संबंधित वादे

पुराने नियम में यीशु के बारे में कई भविष्यवाणियाँ हैं, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सिर्फ 25 भविष्यवाणियाँ करने की क्या संभावनाएँ थीं जो कई वर्षों बाद पैदा होने वाले थे और इन भविष्यवाणियों के सच होने की क्या संभावनाएँ थीं? डॉ. हॉले ओ. टेलर ने यह उत्तर प्रदान किया है: "इज़राइल के मसीहा के आने वाली घटनाओं के इन एन मामलों के बारे में, जो आने वाले थे, अगर सफलता की संभावना हर एक के मामले में भी थी, तो पी (प्रायिकता) बराबर एन में हर मामले में, तो समग्र संभावना है कि सभी n घटनाओं को एक व्यक्ति में उनकी पूर्ति मिलेगी p बराबर $(1/2)^n$ होगा। इस प्रकार, 2 (33 मिलियन, जहां n 25 के बराबर है) में एक मौका होगा। इन सभी पूर्वबताया घटनाओं के सच होने पर अगर वे केवल अनुमान थे। अब मसीह के बारे में इन भविष्यवाणियों पर एक नज़र से पता चलता है कि उन सभी के पास सफलता का एक भी मौका नहीं है, कुछ मामलों में यह बहुत ही असंभव है कि घटना बिल्कुल भी हो सकती है (जैसे कि एक बच्चे के लिए मानव पिता के बिना पैदा होने के लिए)। एक बहुत ही रूढ़िवादी समझौता p बराबर 1/5 होगा; और n भविष्यवाणियों के सच होने की समग्र संभावना pn बराबर (1/5) या एक हज़ार ट्रिलियन में से एक मौका होगा यदि n 25 के बराबर है। (आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म, पृष्ठ 178) भले ही भविष्यवाणी के बारे में कुंवारी जन्म को बाहर रखा जाए, तो संख्या खगोलीय रूप से बड़ी रहती है। यह मान लेना बहुत बड़ा है कि यह गलती से हुआ! पच्चीस भविष्यवाणियाँ मसीह और उनकी पूर्ति से संबंधित, आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म से, पीपी। 179-183। और n भविष्यवाणियों के सच होने की समग्र संभावना pn बराबर (1/5) या एक हज़ार ट्रिलियन में से एक मौका होगा यदि n 25 के बराबर है। (आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म, पृष्ठ 178) भले ही भविष्यवाणी के बारे में कुंवारी जन्म को बाहर रखा जाए, तो संख्या खगोलीय रूप से बड़ी रहती है। यह मान लेना बहुत बड़ा है कि यह गलती से हुआ! पच्चीस भविष्यवाणियाँ मसीह और उनकी पूर्ति से संबंधित, आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म से, पीपी। 179-183। और n भविष्यवाणियों के सच

होने की समग्र संभावना pn बराबर (1/5) या एक हज़ार ट्रिलियन में से एक मौका होगा यदि n 25 के बराबर है। (आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म, पृष्ठ 178) भले ही भविष्यवाणी के बारे में कुंवारी जन्म को बाहर रखा जाए, तो संख्या खगोलीय रूप से बड़ी रहती है। यह मान लेना बहुत बड़ा है कि यह गलती से हुआ! पच्चीस भविष्यवाणियाँ मसीह और उनकी पूर्ति से संबंधित, आधुनिक विज्ञान और ईसाई धर्म से, पीपी। 179-183।

a. आदम और हव्वा की आज्ञा न मानने के बाद परमेश्वर ने शैतान से कहा, “मैं तेरे और इस स्त्री के बीच, और तेरे वंश और इस की संतान के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा; वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी पर वार करेगा।" (उत्पत्ति 3:15)
b. बाढ़ के वर्षों बाद परमेश्वर ने इब्राहीम को कसदियों के ऊर को छोड़ने और कनान देश में जाने के लिए कहा, "मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊंगा और मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा; ... और पृथ्वी के सब लोग तेरे द्वारा आशीष पाएंगे" (उत्पत्ति 12:2-3) और बाद में परमेश्वर ने इसहाक और याकूब दोनों से वही प्रतिज्ञा की।

भगवान के उपहार के बारे में भविष्यवाणियां

कुछ खास भविष्यवाणियां

a. दानिय्येल ने राजा नबूकदनेस्सर के सोने, चाँदी, लोहे और मिट्टी की मूर्ति के सपने की व्याख्या करते हुए कहा - "और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर एक ऐसा राज्य स्थापित करेगा जो कभी नष्ट नहीं होगा।" (दानिय्येल 2:44)
b. यशायाह ने कहा, "हे दाऊद के घराने, अब सुन! क्या मनुष्यों के सब्र का परीक्षा लेना काफ़ी नहीं? क्या तू मेरे परमेश्वर के सब्र का भी परीक्षण करेगा? इसलिथे यहोवा स्वयं तुझे एक चिन्ह देगा: कुँवारी गर्भवती होगी। और वह एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी।” (यशा 7:13-14)
c. *"परमेश्वर ने स्वर्गदूत जिब्राईल को गलील के एक नगर नासरत में एक कुंवारी कन्या के पास भेजा, जो दाऊद के वंशज यूसुफ नाम के एक पुरूष से विवाह करने का वचन देती है। उस कुँवारी का नाम मरियम था।''*(लूका 1:26-28; 35)
d. *"स्वर्गदूत ने उत्तर दिया, 'पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगा, और परमप्रधान की शक्ति तुम पर छा जाएगी। इसलिए, जो पवित्र जन्म लेने वाला है, वह परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा'" । ... "और यूसुफ से स्वर्गदूत ने कहा, 'कुंवारी (मरियम) गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे'-जिसका अर्थ है, 'भगवान हमारे साथ।'"*(मैट 1:23)
e. यीशु के जन्म से पहले परमेश्वर ने (मरियम और यूसुफ को) घोषणा की थी कि उन्हें "परमप्रधान का पुत्र" कहा जाएगा। (लूका 1:32)

परमेश्वर ने जानबूझकर स्वयं को अपने दिव्य स्वभाव से खाली कर दिया, स्वर्ग छोड़ दिया, देहधारण किया और अपने सृजित प्राणियों के बीच निवास किया।

यीशु का जन्म

"उसकी माता मरियम को यूसुफ से ब्याह करने का वचन दिया गया था, परन्तु उनके इकट्ठे होने से पहिले ही, वह पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भवती पाई गई। क्योंकि यूसुफ उसका पति एक धर्मी व्यक्ति था और वह उसे सार्वजनिक अपमान के लिए बेनकाब नहीं करना चाहता था, उसके मन में उसे चुपचाप तलाक देने का था। परन्तु यह सोचकर, यहोवा का एक दूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा,'दाऊद के पुत्र यूसुफ, अपनी पत्नी के रूप में मरियम को अपने घर ले जाने से मत डरो, क्योंकि जो कुछ उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह एक पुत्र को जन्म देगी, और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।'” (मत्ती 1:18-21)

"यह सब उस बात को पूरा करने के लिए हुआ जो प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के माध्यम से कहा था: 'कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे - जिसका अर्थ है, भगवान हमारे साथ।'" (मत्ती 1 :23)

जिस वातावरण में यीशु का जन्म हुआ वह एक बंद समाज था, एक ऐसे लोग जो खुद को अन्य सभी लोगों से श्रेष्ठ मानते थे। वे यहूदी थे और परमेश्वर के चुने हुए लोग, अब्राहम की संतान होने पर बहुत गर्व महसूस करते थे। 'अब्राहम हमारा पिता है' (यूहन्ना 8:38)। उन्हें सामरियों से अत्यधिक घृणा थी क्योंकि वे उन्हें अर्ध-नस्ल मानते थे, यहूदी जिन्होंने बेबीलोन की कैद की अवधि के दौरान मूसा की व्यवस्था को त्याग दिया था। उनकी घृणा इतनी अधिक थी कि वे सामरियों के देश में पैर रखने से बचने के लिए अपने रास्ते से हट जाते थे। रोमन कब्जे वाले अलग नहीं थे और कोई भी यहूदी जो "उन कब्जाधारियों" से जुड़ा था, वह "पापी" था। उदाहरण के लिए, मैथ्यू, कर संग्रहकर्ता।

वे उच्चतम स्तर के विधिवादी भी थे। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वे परमेश्वर के वादों को अर्जित करने के लिए कानून के पत्र को पूरा करें, जरूरी नहीं कि इरादा। उदाहरण के लिए, मूसा ने उनसे दशमांश देने, दसवां अंश देने की अपेक्षा की। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन्होंने दसवां दिया लेकिन अब और नहीं, उन्होंने दसवां और केवल दसवां देने के लिए पौधों के बीजों को गिना।

रोम में यहूदियों को एक मील तक एक सैनिक का भार ढोने की आवश्यकता थी। इसलिए, यहूदियों ने मार्करों को यह सुनिश्चित करने के लिए नीचे रख दिया कि वे आगे नहीं गए। याद रखें यीशु ने कहा था कि अगर किसी ने आपको एक मील जाने के लिए मजबूर किया; उसके साथ दो जाओ। (मत्ती 5:41)

इस संस्कृति में मसीहा, अभिषिक्त जन, मसीह आया। यहूदियों का मानना था कि जब वह आएगा, तो वह इस्राएल के सांसारिक राज्य को उसके 'ईश्वर द्वारा दिए गए अधिकार' को शक्ति और सम्मान के लिए पुनर्स्थापित करेगा। उनका मसीहा यहूदियों का राजा होगा और दाऊद की तरह शासन करेगा।

पहली सदी के लेखकों ने क्या कहा

यीशु

"मेरे भेजनेवाले पिता ने आप ही मेरे विषय में गवाही दी है। तू ने न कभी उसका शब्द सुना, और न उसका रूप देखा, और न उसका वचन तुम में बसता है, क्योंकि उसके भेजे हुए की प्रतीति नहीं करते। तुम लगन से शास्त्रों का अध्ययन करते हो क्योंकि तुम सोचते हो कि उनके द्वारा तुम्हें अनन्त जीवन मिलता है। ये शास्त्र हैं जो मेरे विषय में गवाही देते हैं।"(यूहन्ना 5:37-39)

प्रेरित पतरस

ईसाई क्राइस्ट का नाम इसलिए पहनते हैं क्योंकि क्राइस्ट उनके भगवान, शिक्षक, मार्गदर्शक, उद्धारकर्ता, मुक्तिदाता, आदर्श, महायाजक, आशा, पाप के लिए बलिदान और बहुत कुछ है। हमारे विश्वास के लिए चट्टान-ठोस नींव पतरस के स्वीकारोक्ति की सच्चाई है - "तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है।" (मत्ती 16:16) यीशु वास्तविक है और बाइबल सत्य है। यीशु के बारे में जानने के लिए वह सब कुछ है जो बाइबल में पाया जाता है। मनुष्य का सारा इतिहास उसी के इर्द-गिर्द घूमता है। यीशु मानव नाटक का केंद्रीय पात्र है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि दुनिया का इतिहास दो कालखंडों में विभाजित है: ईसा से पहले (ईसा पूर्व) और ईसा के बाद (ई.)

प्रेरित जॉन

"आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वह शुरुआत में परमेश्वर के साथ थे। उसके बिना कुछ भी नहीं बन सकता; उसके बिना कुछ भी नहीं बनाया गया था जो बनाया गया है। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। अँधेरे में उजाला चमकता है, लेकिन अँधेरे ने उसे समझा नहीं। एक मनुष्य आया जो परमेश्वर की ओर से भेजा गया था; उसका नाम जॉन था। वह उस ज्योति के विषय में साक्षी देने आया, कि उसके द्वारा सब लोग विश्वास करें। वह स्वयं प्रकाश नहीं था; वह केवल प्रकाश के साक्षी के रूप में आया था। प्रत्येक मनुष्य को प्रकाश देने वाला सच्चा प्रकाश संसार में आने वाला था। वह संसार में था, और यद्यपि संसार उसके द्वारा बनाया गया था, संसार ने उसे नहीं पहचाना। वह उसके पास आया जो उसका था, परन्तु अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। तौभी

जितनों ने उसे ग्रहण किया, वरन उसके नाम पर विश्वास करनेवालों को,(यूहन्ना 1:1-13)

"यह सब इसलिए किया गया कि जिसने भी उसे ग्रहण किया, जिसने उसके नाम पर विश्वास किया, उसे ईश्वर की संतान होने का अधिकार दिया- न तो प्राकृतिक वंश से पैदा हुए बच्चे, न ही मानव निर्णय या पति की इच्छा से, बल्कि ईश्वर से पैदा हुए।"(यूहन्ना 1:12-13)

"वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच अपना निवास स्थान बना लिया। हमने उसकी महिमा, एक और एकमात्र की महिमा देखी है, जो पिता की ओर से अनुग्रह और सच्चाई से भरी हुई है।"(यूहन्ना 1:14)

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला

"वह(यूहन्ना) चिल्लाकर कहता है, 'यह वही है जिसके विषय में मैं ने कहा था, कि जो मेरे बाद आता है वह मुझ से बढ़कर है, क्योंकि वह मुझ से पहिले था।' उनकी कृपा की परिपूर्णता से हम सभी को एक के बाद एक आशीर्वाद मिला है। क्योंकि व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई थी; अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा आई। परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा है, परन्तु एकमात्र परमेश्वर, जो पिता के पास है, ने उसे प्रगट किया है।" (यूहन्ना 1:15-18)

"अगले दिन जॉन"(यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले) ने यीशु को अपनी ओर आते देखा, और कहा, 'देखो! परमेश्वर का मेम्ना जो जगत का पाप उठा ले जाता है!'" (यूहन्ना 1:29-30)

रोमन गवर्नर, पिलातुस

"तब पीलातुस वापस महल में गया, और यीशु को बुलवाकर पूछा, 'क्या तू यहूदियों का राजा है?' 'क्या यह आपका अपना विचार है,' यीशु ने पूछा, 'या दूसरों ने आपसे मेरे बारे में बात की?' 'क्या मैं एक यहूदी हूँ?' पिलातुस ने उत्तर दिया। 'तेरी प्रजा और महायाजकों ने ही तुझे मेरे वश में कर दिया। तुमने क्या किया है?' यीशु ने कहा, 'मेरा राज्य इस संसार का नहीं है। यदि ऐसा होता, तो मेरे सेवक यहूदियों द्वारा मेरी गिरफ्तारी को रोकने के लिए संघर्ष करते। लेकिन अब मेरा राज्य दूसरी जगह से है।' 'तो फिर तुम एक राजा हो!' पिलातुस ने कहा। यीशु ने उत्तर दिया, 'तुम ठीक कह रहे हो कि मैं एक राजा हूँ। वास्तव में मेरा जन्म इसी कारण से हुआ है, और मैं जगत में इसलिये आया हूं, कि सत्य की गवाही दूं। सच्चाई के पक्ष में हर कोई मेरी बात सुनता है।' 'स च क्या है?' पिलातुस ने पूछा।"(यूहन्ना 18:33-38)

यहूदियों ने जोर दिया

"'हमारे पास एक व्यवस्था है, और उस व्यवस्था के अनुसार वह मरेगा, क्योंकि उस ने परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया था।' जब पीलातुस ने यह सुना, तो वह और भी अधिक डर गया, और वापस महल के भीतर चला गया। 'आप कहां से हैं?' उसने यीशु से पूछा, परन्तु यीशु ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया। 'क्या तुम मुझसे बात करने से इनकार करते हो?' पिलातुस ने कहा। 'क्या तुम नहीं जानते कि मेरे पास तुम्हें मुक्त करने या तुम्हें सूली पर चढ़ाने की शक्ति है?' यीशु ने उत्तर दिया, 'यदि तुम्हें ऊपर से न दिया जाता तो तुम मुझ पर कोई अधिकार नहीं रखते। सो जिस ने मुझे तुम्हारे वश में किया है, वह और भी बड़े पाप का दोषी है।'"(यूहन्ना 19:7-11)

यीशु की प्रार्थना

"यीशु ने स्वर्ग की ओर दृष्टि करके प्रार्थना कीपिता; समय आ गया है। अपने पुत्र की महिमा करो, कि तुम्हारा पुत्र तुम्हारी महिमा करे। क्योंकि तू ने उसे सब लोगों पर अधिकार दिया, कि वह उन सभों को अनन्त जीवन दे, जिन्हें तू ने उसे दिया है। अब यह अनन्त जीवन है: कि वे तुम्हें, एकमात्र सच्चे परमेश्वर, और यीशु मसीह, जिसे तुमने भेजा है, जान सकते हैं। जो काम तू ने मुझे करने को दिया है, उसे पूरा

करके मैं ने तुझे पृथ्वी पर महिमा दी है। और अब हे पिता, अपने साम्हने मेरी महिमा उस महिमा से कर जो जगत के आरम्भ से पहिले मेरी तेरे साथ थी।"(यूहन्ना 17:1-5)

खोजे ने फिलिप्पुस से कहा

"और उसने उत्तर दिया और कहा,'मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।'" (प्रेरितों के काम 8:37)

थैलस
मत्ती कहता है, "उन्होंने उसे सूली पर चढ़ा दिया था ... और बैठे हुए, वे वहां उस पर पहरा देते रहे ... छठे घंटे से लेकर नौवें घंटे तक सारे देश में अन्धकार छा गया।" (मत्ती 27:35-36; 45-46)

मरकुस ने इसे इस तरह से कहा: "छठे घंटे पर पूरे देश में नौवें घंटे तक अंधेरा छाया रहा।" (मरकुस 15:33)

थलस, सामरी में जन्मे इतिहासकार, जो 52 ईस्वी सन् के आसपास रोम में रहते थे और काम करते थे, जूलियस अफ्रीकनस द्वारा उद्धृत किया गया था, जो दूसरी शताब्दी के उत्तरार्ध के एक ईसाई क्रोनोग्राफर थे। 1 "थैलस, अपने इतिहास की तीसरी पुस्तक में, इस अंधेरे को सूर्य के ग्रहण के रूप में बताता है।" अफ्रीकीस ने रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए तर्क दिया कि पूर्णिमा के दौरान सूर्य का ग्रहण नहीं हो सकता है, जैसा कि मामला था जब फसह के समय में यीशु की मृत्यु हो गई। थैलस के संदर्भ का बल यह है कि यीशु की मृत्यु की परिस्थितियों को पहली शताब्दी के मध्य में इंपीरियल सिटी में जाना और चर्चा की गई थी। यीशु के क्रूस पर चढ़ने का तथ्य काफी अच्छी तरह से रहा होगा उस समय तक जाना जाता था, इस हद तक कि थैलस जैसे अविश्वासियों ने अंधेरे के मामले को एक प्राकृतिक घटना के रूप में समझाना आवश्यक समझा। ... विडंबना यह है कि थैलस ' यीशु के लिए ऐतिहासिक प्रमाण की मुख्यधारा में और उसकी मृत्यु के समय मार्क के अंधेरे के खाते की विश्वसनीयता के लिए प्रयासों को बदल दिया गया है। " 2

मारा बार-सेरापियन

"ब्रिटिश संग्रहालय में एक पांडुलिपि मारा बार-सेरापियन नामक एक सीरियाई द्वारा अपने बेटे को भेजे गए एक पत्र के पाठ को संरक्षित करती है। पिता ने सुकरात, पाइथागोरस, और यहूदियों के बुद्धिमान राजा जैसे बुद्धिमान पुरुषों को सताने की मूर्खता का चित्रण किया, जिसे संदर्भ स्पष्ट रूप से यीशु के रूप में दर्शाता है। 'सुकरात को मौत के घाट उतारने से एथेनियाई लोगों को क्या फायदा हुआ? उनके अपराध के लिए एक निर्णय के रूप में अकाल और प्लेग उन पर आ गया। पाइथागोरस को जलाने से समोस के लोगों को क्या लाभ हुआ? क्षण भर में उनकी भूमि बालू से ढँक गई। अपने राजा को फाँसी देने से यहूदियों को क्या लाभ हुआ? इसके ठीक बाद उनका राज्य समाप्त हो गया था। परमेश्वर ने इन तीन बुद्धिमानों का न्यायोचित बदला लिया: एथेनियाई लोग भूख से मर गए; सामियाई लोग समुद्र से अभिभूत थे; यहूदी, बर्बाद और अपनी भूमि से भगा दिए गए, पूर्ण फैलाव में रहते हैं। ... और न ही बुद्धिमान राजा भलाई के लिए मरा; वह उस शिक्षा पर रहता था जो उस ने दी थी।'" 3

कुरनेलियुस टैसिटस

लगभग 50 ईस्वी से 100 ईस्वी तक रहने वाले एक रोमन इतिहासकार ने नीरो की आग के बारे में लिखा। "नतीजतन, रिपोर्ट से छुटकारा पाने के लिए, नीरो ने अपराध बोध को तेज कर दिया और अपने घृणित कार्यों के लिए नफरत करने वाले वर्ग पर सबसे उत्तम यातनाएं दीं, जिन्हें आबादी द्वारा ईसाई कहा जाता था। क्राइस्टस, जिनसे नाम की उत्पत्ति हुई थी, के दौरान अत्यधिक दंड का सामना करना पड़ा। हमारे एक खरीददार, पोंटियस पिलातुस के हाथों तिबेरियस का शासन।" 4

प्लिनियस सेकेंडस

112 ई. में एक रोमन गवर्नर ने सम्राट ट्रोजन को लिखा "वे [ईसाई] प्रकाश होने से पहले एक निश्चित निश्चित दिन पर मिलने की आदत में थे, जब उन्होंने मसीह को भगवान के रूप में एक गान गाया, और खुद को एक गंभीर शपथ से बाध्य नहीं किया कोई भी दुष्ट काम करना ... जिसके बाद अलग होना, और फिर भोजन करने के लिए फिर से मिलना, लेकिन एक सामान्य प्रकार का भोजन करना उनकी प्रथा थी।" 5

सेटोनियस

हैड्रियन के शासनकाल के दौरान इंपीरियल हाउस के एक एनालिस्ट और कोर्ट अधिकारी ने लाइफ ऑफ क्लॉडियस में लगभग 120 ईस्वी सन् में लिखा था। "चूंकि चेस्टस के उकसाने पर यहूदी लगातार गड़बड़ी कर रहे थे, उसने (क्लॉडियस) उन्हें रोम से निष्कासित कर दिया।" 6 एडवर्ड सी। व्हार्टन फिर कहते हैं, "इस उद्धरण की प्रसिद्धि का कारण इस तथ्य के कारण है कि ल्यूक, लगभग साठ वर्षों पहले, इसी घटना को प्रेरित पौलुस ने अक्विला और प्रिस्किल्ला नामक एक ईसाई यहूदी जोड़े के साथ जुड़ने के कारण के रूप में दर्ज किया था (प्रेरितों के काम 18:1-2)। फिर से, ऐतिहासिक संदर्भ में मसीह का उल्लेख अतिरिक्त में देखा गया है- बाइबिल साहित्य।" 7

फ्लेवियस जोसेफस

जोसेफस का एक दिलचस्प अवलोकन है। "इसी समय के बारे में यीशु, एक बुद्धिमान व्यक्ति, यदि हम वास्तव में उसे एक आदमी कहते हैं, क्योंकि वह अद्भुत काम करता था, पुरुषों का शिक्षक था जो खुशी से सत्य को प्राप्त करता था। उसने कई यहूदियों और कई यूनानियों पर जीत हासिल की। जब पीलातुस ने हमारे अपने अगुवों के कहने पर उसे क्रूस पर चढ़ा दिया, तो जो पहिले से उस से प्रेम रखते थे, वे न रुके, क्योंकि वह उन्हें तीसरे दिन फिर जीवित दिखाई दिया, जैसे भविष्यद्वक्ताओं ने भविष्यद्वाणी करके उसके विषय में और भी बहुत सी अद्भुत बातें कही थीं: और अब भी मसीहियों की वह जाति जो उसके नाम पर रखी गई है, अभी तक समाप्त नहीं हुई है।” 8

प्रारंभिक यहूदी और अन्यजाति लेखक

एफएफ ब्रूस का निम्नलिखित उद्धरण इसे बहुत स्पष्ट रूप से सारांशित करता है। "शुरुआती यहूदी और अन्यजातियों के लेखकों के साक्ष्य के बारे में और जो कुछ भी सोचा जा सकता है ... यह कम से कम उन लोगों के लिए स्थापित करता है, जो ईसाई लेखन की गवाही को अस्वीकार करते हैं, स्वयं यीशु के ऐतिहासिक चरित्र। कुछ लेखक 'मसीह-मिथक' की कल्पना के साथ खिलवाड़ कर सकते हैं, लेकिन वे ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर ऐसा नहीं करते हैं। एक निष्पक्ष इतिहासकार के लिए क्राइस्ट की ऐतिहासिकता उतनी ही स्वयंसिद्ध [स्व-स्पष्ट] है जितनी जूलियस सीज़र की ऐतिहासिकता। यह नहींइतिहासकार जो 'क्राइस्ट-मिथ' सिद्धांतों का प्रचार करते हैं।" 9

फुटनोट

1. एफएफ ब्रूस, द न्यू टेस्टामेंट डॉक्यूमेंट्स, एर्डमेन्स, पी। 113.
2. एडवर्ड सी. व्हार्टन, ईसाई धर्म: इतिहास का एक स्पष्ट मामला हावर्ड पी। 7.
3. ब्रिटिश म्यूजियम सिरिएक Mss., FF ब्रूस, जीसस एंड क्रिश्चियन ऑरिजिंस आउटसाइड द न्यू टेस्टामेंट, पृ. 31.
4. इतिहास और इतिहास, 15:44। ब्रिटानिका ग्रेट बुक्स से, वॉल्यूम। 15, पृ. 168.
5. पत्र, 10:96।
6. क्लौडियस का जीवन, 25:4

7. एडवर्ड सी. व्हार्टन, ईसाई धर्म: इतिहास का एक स्पष्ट मामला, हावर्ड पी। 1 1।

8. पुरावशेष, 18,3। 3.

9. एफएफ ब्रूस, द न्यू टेस्टामेंट डॉक्यूमेंट्स। पी. 119. एडवर्ड सी. व्हार्टन ने अपनी पुस्तक क्रिश्चियनिटी: ए क्लियर केस ऑफ हिस्ट्री में उद्धृत किया

परमेश्वर के उपहार के बारे में शब्द और कार्य

जब यरदन नदी में यूहन्ना के द्वारा यीशु को बपतिस्मा दिया गया, तो स्वर्ग खुल गया: "और पवित्र आत्मा शारीरिक रूप में कबूतर की तरह उस पर उतरा, और स्वर्ग से एक आवाज आई, जिसमें कहा गया था, 'तू मेरा प्रिय पुत्र है; मैं तुझ से अति प्रसन्न हूं।'" (लूका 3:22)

"शैतान ने उससे कहा, "यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो इस पत्थर को रोटी बनने की आज्ञा दो।" (लूका 4:3)

"उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला आया, और यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करता हुआ आया, कि मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है।" यह वही है जिसके विषय में यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था। मरुभूमि में एक पुकारने वाले का शब्द, 'प्रभु के लिए मार्ग तैयार करो, उसके लिए सीधा मार्ग बनाओ।'"(मैट 3:1-3)

यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखा और कहा, "देखो, परमेश्वर का मेम्ना, जो जगत का पाप उठा ले जाता है!" (यूहन्ना 1:29-30)

"जैसे ही यीशु ने बपतिस्मा लिया, वह पानी से बाहर चला गया। उसी क्षण स्वर्ग खुल गया, और उसने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाईं उतरते और उस पर प्रकाश करते देखा। और स्वर्ग से यह शब्द निकला, कि यह मेरा पुत्र है, जिस से मैं प्रीति रखता हूं; मैं उससे बहुत प्रसन्न हूँ।"(मैट 3:16-17)

"परीक्षा करने वाले (शैतान) ने उसके पास आकर कहा, 'यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह कि ये पत्थर रोटी बन जाएं।'" (मत्ती 4:3)

"महिला (सामरी महिला) ने कहा, 'मुझे पता है कि मसीहा' (मसीह कहा जाता है) 'आ रहा है। जब वह आएगा, तो वह हमें सब कुछ समझा देगा।' तब यीशु ने कहा, 'जो तुझ से बातें करता हूं, वही मैं हूं।'" (यूहन्ना 4:25-26)
कई वर्षों तक यीशु ने चमत्कारों, संकेतों और चमत्कारों के द्वारा अपने संदेश की पुष्टि करने वाले अधिकार के रूप में सिखाया, जैसे कि अंधे को देखने के लिए, बहरे को सुनने के लिए, लंगड़ों को चलने के लिए और मृतकों को फिर से जीवित करना।

"यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा "'लेकिन तुम्हारा क्या?' उसने पूछा 'आप क्या कहते हैं कि मैं कौन हूं?' शमौन पतरस ने उत्तर दिया, 'तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।' यीशु ने उत्तर दिया, 'धन्य हो तुम, योना के पुत्र शमौन, क्योंकि यह तुम्हें मनुष्य द्वारा नहीं, बल्कि मेरे पिता द्वारा, जो स्वर्ग में है, प्रकट किया गया था। और मैं तुम से कहता हूं, कि तू पतरस है, और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। मैं तुम्हें स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगा; जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा वह स्वर्ग में बन्धेगा, और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।"'(मत्ती 16:15-19)

टिप्पणी: "इस चट्टान पर" - यह तथ्य कि यीशु परमेश्वर का पुत्र था और है, "माई चर्च" की नींव है।

टिप्पणी: "अधोलोक" मृतकों की आत्माओं का अस्थायी निवास है। मृत्यु क्राइस्ट चर्च पर विजय प्राप्त नहीं करेगी।

वह उस समय के बारे में अधिक विशिष्ट था जब उसका राज्य आएगा "उसने उनसे कहा, 'मैं तुमसे सच कहता हूं, जो यहां खड़े हैं, वे परमेश्वर के राज्य को शक्ति के साथ आने से पहले मृत्यु का स्वाद नहीं लेंगे।'" (मरकुस 9 :1)

टिप्पणी: मसीह अपने कुछ श्रोताओं के जीवन काल के दौरान अपने चर्च की स्थापना करेगा।
फिर उसने जानबूझकर अपना जीवन पाप-बलि, एक बलिदान के रूप में दे दिया, ताकि रोमन सरकार को उसे सूली पर चढ़ाने की अनुमति देकर मनुष्य के पाप का प्रायश्चित किया जा सके। उन्होंने उसके भौतिक शरीर की चोरी को रोकने के लिए उसे पहरेदारों के साथ एक सुरक्षित कब्र में दफना दिया। परन्तु परमेश्वर, पिता ने, उसके शरीर के क्षय होने से पहले, मृत्यु और कब्र पर विजय प्राप्त करने के तीसरे दिन, उसे जिलाया।

"लगभग नौवें घंटे यीशु ने ऊंचे स्वर में पुकारा, 'एलोई, एलोई, लमा शबक्तनी?' - जिसका अर्थ है, 'मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया है?' यह सुनकर वहाँ खड़े लोगों में से कितनों ने कहा, वह एलिय्याह को बुला रहा है। उनमें से एक तुरंत दौड़ा और उसे एक स्पंज मिला। उस ने उस में दाखमधु के सिरके से भरकर एक डंडी पर रखा, और यीशु को पीने को दिया। बाकी ने कहा, 'अब उसे अकेला छोड़ दो। देखते हैं कि एलिय्याह उसे बचाने आता है या नहीं।' और जब यीशु ने फिर ऊंचे शब्द से दोहाई दी, तब अपने प्राण त्याग दिए।"(मैट 27:46-50)

"उसके चेले फिर घर में थे, और थोमा उनके साथ था। हालाँकि दरवाजे बंद थे, यीशु आया और उनके बीच खड़ा हो गया और कहा, 'तुम्हें शांति मिले!' तब उस ने थोमा से कहा, अपनी उँगली यहां रख; मेरे हाथ देखो। अपना हाथ बढ़ा कर मेरी बाजू में रख दो। शक करना बंद करो और विश्वास करो।' थोमा ने उस से कहा, 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर!'"(यूहन्ना 20:26-28)

लगभग चालीस दिन बाद स्वर्ग में उनकी वापसी को प्रेरितों ने देखा। पवित्र आत्मा को उन्हें प्रचार करने और सुसमाचार को रिकॉर्ड करने में मार्गदर्शन करने के लिए भेजा गया था, उद्धार के लिए भगवान की शक्ति। प्रारंभ में कई यहूदियों और बाद में कई अन्यजातियों ने यीशु को परमेश्वर, मसीह (अभिषिक्त जन) के रूप में स्वीकार किया। यहूदिया, गलील और सामरिया में कई गवाह जो उसके रहते और शिक्षा देते हुए रहते थे, उनके जीवन में वापस आने (पुनरुत्थान) और उनके स्वर्ग में लौटने (आरोहण) की गवाही देते थे।

"माई चर्च" की नींव

"नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, कि यह मनुष्य तुम्हारे साम्हने चंगा हो गया है। वह (यीशु) 'वह पत्थर है जिसे तुम बनानेवालों ने ठुकरा दिया था, जो पत्थर बन गया है।' और किसी के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों को और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।"(प्रेरितों के काम 4:10-12)

"कौन(नासरत के यीशु), परमेश्वर के स्वभाव में होने के कारण, परमेश्वर के साथ समानता को समझने के लिए कुछ नहीं माना, लेकिन खुद को कुछ भी नहीं बनाया, एक नौकर की प्रकृति को लेकर, मानवीय समानता में बनाया गया। " (फिलिप्पियों 2:6-7)

टिप्पणी: परमेश्वर, पुत्र, ने यीशु के रूप में मांस का एक भौतिक शरीर बनना चुना ताकि वह मनुष्यों के बीच रह सके और अपने द्वारा बनाए गए प्राणियों द्वारा प्रलोभनों, परीक्षणों और अस्वीकृति का सामना कर सके। इस विषय पर बाइबिलवे पब्लिशिंग द्वारा द मैन हू वाज़ गॉड में चर्चा की गई है।

मसीह कलीसिया की नींव है। इफिसियों 2:20: "प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नेव पर बनाया गया, और कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है"; 1 कुरिन्थियों 3:11: "क्योंकि कोई नेव डाल सकता है, सिवाय उसके जो रखी गई है, जो यीशु मसीह है" और 2 तीमुथियुस 2:19: "परन्तु परमेश्वर की नेव दृढ़ है, जिस पर यह मुहर है, हे प्रभु, वह जानता है जो उसके हैं।"

"मैं प्रार्थना करता हूं कि तुम्हारे हृदय की आंखें ज्योतिर्मय हों, जिस से तुम जान सको कि उसके बुलाए जाने की आशा क्या है, पवित्र लोगों

में उसके निज भाग की महिमा का धन क्या है, और उसके प्रति उसकी शक्ति की महानता क्या है? हम जो विश्वास करते हैं। ये उसकी शक्ति की उस शक्ति के कार्य के अनुसार हैं जो उसने मसीह में उत्पन्न की, जब उसने उसे मरे हुओं में से जिलाया, और स्वर्गीय स्थानों में अपने दाहिने हाथ पर बैठाया, जो सभी शासन और अधिकार और शक्ति और प्रभुत्व से बहुत ऊपर था।, और हर नाम जिसका नाम रखा गया है, न केवल इस युग में, बल्कि आने वाले में भी- अनन्त युग। और उस ने सब वस्तुओं को अपने पांवों के तले रख दिया, और उसे सब वस्तुओं का प्रधान कलीसिया को दे दिया, जो उसकी देह है, और उस की परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ भरता है।"(इफिसियों 1:18-23)

यीशु के स्वर्गारोहण के बाद प्रेरित यरूशलेम लौट आए क्योंकि उसने उन्हें आज्ञा दी थी। बहुत से यहूदी यरूशलेम में इकट्ठे हुए थे, क्योंकि वह पिन्तेकुस्त का दिन था। “और जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक ही स्थान पर इकट्ठे थे। और एकाएक आकाश से ऐसा शब्द हुआ, जिस से सारा घर जहां वे बैठे थे, भर गया। और उन्हें ऐसी जीभें दिखाई दीं, जैसे आग फैल रही हो, और वे उन में से एक एक पर टिके रहे। और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा उन्हें बोलने की शक्ति देता था, वे दूसरी अन्य भाषा बोलने लगे।” (प्रेरितों 2:1-4)

हवा के झोंके की आवाज़ ने इकट्ठे प्रेषितों के लिए एक बड़ी भीड़ ला दी। पतरस और अन्य प्रेरितों ने उन्हें यह याद दिलाने का मौका दिया कि उन्होंने और उनके धार्मिक नेताओं ने क्या किया था, यह कहते हुए, "'इस कारण सभी इस्राएलियों को इस बात का आश्वासन दिया जाना चाहिए: परमेश्वर ने इस यीशु को बनाया है, जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया था, प्रभु और मसीह दोनों।' जब लोगों ने यह सुना, तो उनका मन कट गया और उन्होंने पतरस और दूसरे प्रेरितों से कहा, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चाताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। और तुम पवित्र आत्मा का उपहार पाओगे। यह वादा तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों और उन सभी के लिए है दूर हैं (सब लोग) - उन सभों के लिए जिन्हें हमारा परमेश्वर यहोवा बुलाएगा।'” (प्रेरितों के काम 2:36-39)

> **टिप्पणी**: "पश्चाताप" केवल एक भावना नहीं है; इसमें मनोदशाओं और भावनाओं की अनिश्चितता नहीं है। आत्मा के मौसम में यह कोई साधारण परिवर्तन नहीं है। यह बुद्धि के फोकस का एक विशिष्ट परिवर्तन है; यह अपने साथ इच्छा की गति को वहन करता है; संक्षेप में, यह मनुष्य के अस्तित्व की जमीन में ही एक क्रांति है।" (प्रतिबिंब में अल मैक्सी)

> **टिप्पणी**: "बपतिस्मा दिया" ग्रीक शब्द . से लिप्यंतरित किया गया थाबैप्टीज़ो जिसका अर्थ है डूबना, डुबाना, नीचे गिरना।बैप्टीज़ोग्रीक शब्दों के साथ भ्रमित नहीं होना चाहिए;रैंटिज़ो, जिसका अर्थ है छिड़कना या ग्रीक शब्द चीओ के साथ जिसका अर्थ है डालनाऊपर।

“यह यीशु वह पत्थर है, जिसे तुम ने ठुकरा दिया था, अर्थात बनानेवाले, जो कोने का पत्थर बन गया है। और किसी के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।”(प्रेरितों के काम 4:11-12)

पेंटेकोस्ट दिवस पर कई यहूदियों ने अपनी पापी स्थिति को महसूस करते हुए, मसीह की मृत्यु में पानी (बपतिस्मा) में डूबे हुए उन्हें क्षमा करने के लिए भगवान को बुलाकर मसीह में अपना भरोसा रखा, जिसके बाद भगवान ने उन्हें पानी में दफनाने से उठाया और उन्हें अपने शिष्यों में जोड़ा इस प्रकार क्षमा किए गए पापियों के अपने शरीर, अपने चर्च की स्थापना की।

“इसलिये जिन लोगों ने उसका वचन ग्रहण किया था, उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उस दिन कोई तीन हजार प्राणी जुड़ गए। और वे

निरन्तर प्रेरितों की शिक्षा, और संगति, और रोटी तोड़ने और प्रार्थना करने में लगे रहते थे।"(प्रेरितों 2:41-42)

"और प्रति दिन मन ही मन मन्दिर में रहते, और घर घर रोटी तोड़ते, आनन्द और मन की निष्कपटता के साथ भोजन करते, और परमेश्वर की स्तुति करते, और सब लोगों पर अनुग्रह करते थे। और यहोवा उद्धार पानेवालोंको दिन प्रतिदिन उनकी गिनती में बढ़ाता जाता था।"(प्रेरितों 2:46-47)

याकूब ने मसीह में उन लोगों को संबोधित करते हुए कहा: "धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में स्थिर रहता है, क्योंकि जब वह परीक्षा में खरा उतरता है, तो उसे जीवन का वह मुकुट मिलेगा जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों से की है। परीक्षा में पड़ने पर, किसी को भी यह नहीं कहना चाहिए, 'परमेश्वर मुझे परीक्षा दे रहा है।' क्योंकि न तो बुराई से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा करता है; परन्तु हर एक की परीक्षा तब होती है, जब अपक्की ही बुरी अभिलाषा से वह घसीटकर फुसला जाता है। फिर, इच्छा के गर्भ धारण करने के बाद, यह पाप को जन्म देती है; और पाप जब बड़ा हो जाता है, तब मृत्यु को जन्म देता है।" (याकूब 1:12-15)

टिप्पणी: यह जानते हुए कि पाप के परिणाम होते हैं, आपको और मुझे क्षमा करने, छुड़ाने, मेल-मिलाप करने और परमेश्वर के साथ एक धार्मिक संबंध में वापस लाने की आवश्यकता है। जिन लोगों को क्षमा किया जाता है और मेल-मिलाप किया जाता है, उन्हें हाथों से नहीं बनाए गए राज्य में डाल दिया जाता है। परमेश्वर के संबंध के साथ इस मेल-मिलाप के बाद व्यक्ति को परमेश्वर की समानता में विकसित होना चाहिए जो उन्होंने शुरुआत में मसीह संदेश, बाइबल का अध्ययन करके किया था।

"प्रभु अपने वादे को पूरा करने में धीमा नहीं है क्योंकि कुछ लोग धीमे होते हैं, लेकिन आपके प्रति धीरज रखते हैं, यह नहीं चाहते कि कोई नाश हो, लेकिन सभी को पश्चाताप करना चाहिए।"(2 पतरस 3:9)

"ईश्वरीय दुःख पश्चाताप लाता है जो मोक्ष की ओर ले जाता है और कोई पछतावा नहीं छोड़ता है, लेकिन सांसारिक दुःख मृत्यु लाता है।"(2 कुरिन्थियों 7:10)

"क्योंकि हम सब को अवश्य है कि मसीह के न्याय आसन के साम्हने हाजिर हो, कि जो देह में रहते हुए भले या बुरे कामों के लिथे जो उस पर हक है वह पाए।"(2 कुरिन्थियों 5:10)

"क्योंकि जब हम परमेश्वर के बैरी थे, तो उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा उस से मेल मिलाप कर लिया गया, तो मेल कर लेने पर उसके जीवन के द्वारा हम क्यों न बचेंगे? न केवल ऐसा ही है, वरन हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा, जिसके द्वारा अब हमारा मेल हुआ है, परमेश्वर के कारण आनन्दित भी होते हैं।"(रोमियों 5:10-11)

"इसलिये यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुराना चला गया, नया आ गया! यह सब परमेश्वर की ओर से है, जिस ने हमें मसीह के द्वारा अपने आप से मिला लिया, और हमें मेल मिलाप की सेवकाई दी: कि परमेश्वर मनुष्यों के पापों को उनके विरुद्ध न गिनते हुए, मसीह में अपने आप से संसार का मेल मिलाप कर रहा था। और उसने हमें मेल मिलाप का सन्देश दिया है।"(2 कुरिन्थियों 5:17-19)

टिप्पणी: "एक नई रचना" क्षमा किए गए पापियों की एक आध्यात्मिक रचना है जिसे परमेश्वर की सेवा के लिए पुजारी बनाया गया है। पहली सृष्टि, भौतिक मनुष्य, पृथ्वी के तत्वों से बना था। यह नई सृष्टि ईश्वर की कृपा और मनुष्य के विश्वास, विश्वास और आज्ञाकारिता से बनी है।

"मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कही हैं, कि तुम को मुझ में शान्ति मिले। इस दुनिया में आपको समस्याएं तो झेलनी ही होंगी। लेकिन दिल थाम लो! मैं ने संसार को जीत लिया है।'" ... "यीशु ने यह कहकर स्वर्ग की ओर देखा और प्रार्थना की: 'पिताजी, समय आ गया है। अपने पुत्र की महिमा करो, कि तुम्हारा पुत्र तुम्हारी महिमा करे। क्योंकि तू ने उसे सब लोगों पर अधिकार दिया, कि वह उन सभों को अनन्त जीवन दे, जिन्हें तू ने उसे दिया है। अब अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जानें।'"(यूहन्ना 16:33, 17:1-4)

चूँकि यीशु परमेश्वर का अनन्त जीवन का उपहार है, इस उपहार को स्वीकार करने के लिए किसी को क्या करना चाहिए? पिन्तेकुस्त के दिन, यीशु के स्वर्ग में लौटने के 40 दिन बाद, पतरस ने इस प्रश्न का उत्तर दिया और सभी मनुष्यों पर आत्मा उण्डेला गया। "भगवान ने उससे (डेविड) शपथ ली थी कि वह अपने वंशजों में से एक को अपने सिंहासन पर बिठाएगा। आगे क्या हुआ, यह देखकर उसने मसीह के पुनरुत्थान की बात कही, कि उसे कब्र में नहीं छोड़ा गया, और न ही उसके शरीर ने क्षय देखा। परमेश्वर ने इस यीशु को जीवित किया है, और हम सब इस तथ्य के गवाह हैं। परमेश्वर के दाहिने हाथ पर महान, उसने पिता से प्रतिज्ञा की हुई पवित्र आत्मा प्राप्त की है और जो कुछ तुम अभी देखते और सुनते हो उसे उण्डेल दिया है।" (प्रेरितों 2:30-33)

"इस कारण सब इस्राएली निश्चय निश्चय करें: परमेश्वर ने इस यीशु को, जिसे तू ने क्रूस पर चढ़ाया था, प्रभु और मसीह दोनों बनाया है।" जब लोगों ने यह सुना, तो उनका मन कट गया और उन्होंने पतरस और दूसरे प्रेरितों से कहा, हे भाइयो, हम क्या करें? पतरस ने उत्तर दिया, 'पश्चाताप करो और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।'" ... "जिन्होंने उसके संदेश को स्वीकार किया, उन्होंने बपतिस्मा लिया, और उस दिन उनकी संख्या में लगभग तीन हजार जोड़े गए। ।"(प्रेरितों 2:36-38, 41)

"उन्होंने अपने घरों में रोटी तोड़ी, और परमेश्वर की स्तुति करते हुए और सभी लोगों के अनुग्रह का आनंद लेते हुए, प्रसन्न और सच्चे मन से एक साथ खाया। और जो उद्धार पाने वाले थे, उन को यहोवा ने प्रतिदिन उनकी गिनती में बढ़ा दिया।"(प्रेरितों 2:46-47)

ऐसे कई अन्य लोगों के उदाहरण हैं जिन्होंने पाप के लिए मरकर, मसीह की मृत्यु में दफन (पानी में डूबे हुए), नए आत्मिक प्राणी के रूप में परमेश्वर द्वारा उठाए गए और मसीह के शरीर में और परमेश्वर के साथ संगति में डालकर मसीह को स्वीकार किया।

1. इथियोपिया के खोजे - प्रेरितों के काम 8
2. सामरी - अधिनियमों 8
3. तरसुस का शाऊल - प्रेरितों के काम 9
4. कुरनेलियुस - प्रेरितों के काम 10
5. फिलिप्पी, इफिसुस, कुरिन्थ और रोम के नगरों में बहुत से लोग।

प्रशन

1. यीशु के बारे में केवल एक ही भविष्यवाणी है।

   सही गलत ___

2. भगवान ने जानबूझकर खुद को देवता से खाली कर दिया ताकि वह इंसान बन जाए और अपनी रचना के बीच रह सके।

सही गलत ___

3. कोई गैर-ईसाई इतिहासकार नहीं हैं जिन्होंने यीशु के बारे में लिखा है।

सही गलत ___

4. यूहन्ना, बपतिस्मा देने वाले ने स्वीकार किया कि यीशु ही परमेश्वर था जो मनुष्य के पापों को दूर कर सकता था।

सही गलत ___

5. चर्च क्राइस्ट द्वारा निर्मित चर्च की नींव थी

एक। ___ यहूदी

बी। ___ पीटर

सी। ___ यीशु मांस में भगवान के रूप में

डी। ___उनका चर्च स्थापित नहीं हुआ है